दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 39 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शनिवार, 08 अप्रैल 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

पीर पंजाल में उभरते नए समीकरण

पीएम मोदी आठ अप्रैल को हैदराबाद की यात्रा करेंगे

मूल्य- 2 रु.

129 करोड़ 11 लाख 74 हजार रुपए की 22 योजनाओं का किया गया लोकार्पण व शिलान्यास

धनराशि 9159.04 लाख रुपये से 11 योजनाओं का किया गया शिलान्यास

धनराशि 3752.70 लाख रुपये से निर्मित 11 कार्यों का किया गया लोकार्पण

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

पौड़ी(देहरादून)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चौबट्टाखाल पहुंचे, जहां उन्होंने कुल धनराशि 129 करोड़ 11 लाख 74 हजार रुपए की 22 योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने धनराशि 9159.04 लाख रुपये से 11 योजनाओं का शिलान्यास तथा धनराशि 3752.70 लाख रुपये से निर्मित 11 कार्यों का लोकार्पण किया।

उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय चौबट्टाखाल में लागत 290.55 लाख के पुस्तकालय भवन एवं बहुउद्देशीय हॉल, चौबट्टाखाल में लागत 308.20 लाख से 24 शय्याओं के पर्यटक आवास गृह, नगर पंचायत सतपुली के कार्यालय भवन लागत 161.44 लाख, विकासखण्ड बीरोंखाल के आवासीय भवन टाइप-2 संख्या-2 का निर्माण लागत 45.00 लाख, राज्य योजना के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकासखण्ड बीरोंखाल के अन्तर्गत फरसाडी-गएकोट-छाछरो मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य (द्वितीय चरण) लम्बाई 2.00 किमी0 लागत 127.19, विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकास खण्ड पोखड़ा के अन्तर्गत देवराजखाल जयखाल मोटर मार्ग के मध्य धरतीली बैण्ड तक डामरीकरण सुदृढीकरण, विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकास खण्ड पोखड़ा के अंतर्गत देवराजखाल-जयखाल के मध्य घरतोली बैंड तक लागत 62.45 लाख के डामरीकरण सुदृढीकरण तथा विकासखंड पोखड़ा के लटीबो दलीबो नाई मोटर मार्ग का लागत 142.71 लाख से डामरीकरण सुदृढीकरण, हलूणी पेयजल योजना लागत 112.93 लाख, भूमियाखांडा किंगोडीधार ग्रा०स०पं०यो० लागत 2501.32 लाख, वेदीखाल ग्रा०स०प०प०यो० लागत 2284.84 लाख, बरसुण्डा देवता ग्रा०स०प०प०यो० लागत 3122.41 लाख की योजनाओं से संबंधित कार्यों का शिलान्यास किया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय खेरासेण सतपुली भवन निर्माण कार्य लागत 306.40 लाख का लोकार्पण, तहसील चौबट्टाखाल के अनावासीय मुख्य भवनों का निर्माण कार्य लागत 224.00 लाख का लोकार्पण, विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के अन्तर्गत विकासखण्ड पोखड़ा में देवराठी सेडियाखाल, लखोली, उबोट, गवांणी मोटर मार्ग में डामरीकरण का कार्य लागत 142.60 लाख, विकासखण्ड खाल के आवासीय भवन टाईप 4 भवन कर निर्माण कार्य का लागत 50.00 लाख, एकेश्वर श्रोत सवर्द्धन पेयजल योजना लागत 493.46 लाख, विधानसभा चौबट्टाखाल में कोट मल्ला से कोट तल्ला कड़ियां कुलासू रीठाखाल मोटर मार्ग पर 70 मी० स्पान स्टील ट्रस मोटर सेतु का निर्माण कार्य 955.74 लाख, सतपुली से उलखेत मोटर मार्ग स्टेज-1 व 02 लम्बाई 5.117 किमी० का 327.30 लाख, सतपुली से हलूणी मोटर मार्ग स्टेज-1 व 02 लम्बाई 1.975 किमी0 लागत 123.30 लाख, 244.37 लाख से निर्मित सासों से मासो इण्टर कॉलेज मोटर मार्ग स्टेज-02 लम्बाई 6.500 किमी0, 279.54 लाख से निर्मित चम्पेश्वर झंगरबो मोटर मार्ग स्टेज 02 लम्बाई 5.575 किमी0, 605.99 लाख से निर्मित झवेरा लिंक जजेड़ी मोटर मार्ग स्टेज 02 लम्बाई 11.950 किमी० कार्य का लोकार्पण किया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चौबट्टाखाल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में जितनी योजनाएं संचालित व क्रियान्वित हो रही है वे अभूतपूर्व है। आज भारत का सांस्कृतिक उत्थान हो रहा है भारत का पुरातन वैभव पुनः लौट रहा है।

अपराधी या आतंकवादी नहीं हूं, अपने पासपोर्ट के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखूंगी : इल्तिजा मुफ्ती

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में पढ़ाई के लिए दो साल की अवधि का देश-विशिष्ट पासपोर्ट जारी होने के बाद शुक्रवार को सवाल किया कि क्या वह आतंकवादी या राष्ट्र-विरोधी हैं। इल्तिजा ने जम्मू कश्मीर पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की प्रतिकूल रिपोर्ट के कारण पासपोर्ट के लिए अपना आवेदन मंजूर नहीं होने के बाद फरवरी में जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय का रुख किया था। उनके पासपोर्ट की अवधि दो जनवरी को समाप्त हो गई थी और उन्होंने पिछले साल आठ जून को नए सिरे से आवेदन किया था। उच्च न्यायालय ने क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) को इस मामले को देखने का निर्देश दिया था। आरपीओ द्वारा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल को लिखे गए एक पत्र के अनुसार, उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद इल्तिजा को एक पासपोर्ट जारी किया गया है जो पांच अप्रैल, 2023 से चार अप्रैल, 2025 तक वैध है। इल्तिजा ने शुक्रवार को यहां पीडीपी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, कश्मीर के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी दविंदर कुमार और सीआईडी ने न्यायपालिका को गुमराह किया है।

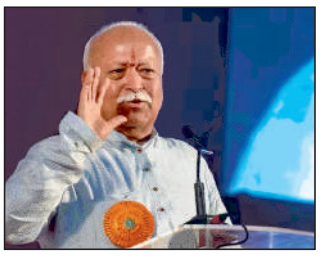

दक्षिणी प्रांतों में मिशनरियों से कहीं ज्यादा सेवा कार्य हिंदू धर्मगुरुओं ने की: भागवत

जयपुर, (भाषा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा. मोहनराव भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण के प्रांतों में हिंदू आध्यात्मिक गुरुओं द्वारा किए गए सेवा कार्य मिशनरियों से कहीं अधिक हैं।वह जयपुर के जामडोली में केशव विद्यापीठ में राष्ट्रीय सेवा भारती के सेवा संगम के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सेवा कहने के बाद सामान्यतः देश के प्रबुद्धजन मिशनरियों का नाम लेते हैं। दुनिया भर में मिशनरी अनेक स्कूल, अस्पताल चलाते हैं, यह सभी को पता है। लेकिन दक्षिण के प्रांतों में . केवल आध्यात्मिक क्षेत्र के हमारे आचार्य मुनि, संन्यासी सब मिलाकर जो सेवा करते हैं वह मिशनरियों की सेवा से कई गुणा ज्यादा है। भागवत ने कहा, मैं स्पर्धा की बात नहीं कर रहा। उनसे ज्यादा, उनसे कम, यह मेरा पैमाना नहीं है। सेवा का यह पैमाना हो ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि सेवा स्वस्थ समाज को नाती है लेकिन स्वस्थ समाज को बनाने के लिए पहले वह पहले हमको स्वस्थ करती है। संघ प्रमुख ने कहा, सेवा मनुष्य के मनुष्यत्व की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। कार्यक्रम में पीरामल समूह के चेयरमैन अजय पीरामल मुख्य अतिथि थे जबकि संत बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज ने आशीर्वचन दिया। सेवा भारती के इस तीन दिवसीय संगम में देश भर से 800 से अधिक स्वैच्छिक सेवा संगठनों के हजारों प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

बिहार की जाति आधारित गणना में ट्रांसजेंडर को एक जाति के रूप में दर्शाया गया

पटना, (भाषा)। बिहार में जारी जाति आधारित गणना में ट्रांसजेंडर को एक जाति के रूप में दर्शाए जाने से गणना को लेकर ताजा विवाद खड़ा हो गया है।

बिहार में जातियों की अब संख्या के रूप में कोड के आधार पर पहचान की जाएगी। प्रत्एक जाति को 15 अप्रैल से 15 मई तक जाति आधारित गणना के महीने भर चलने वाले दूसरे चरण के दौरान उपयोग के लिए एक संख्यात्मक कोड दिया गया है। उदाहरण के लिए मैथिल, कान्यकुब्ज और अन्य ब्राह्मणों की उपश्रेणियों को ब्राह्मण नामक एक सामाजिक इकाई में मिला दिया गया है जिसका जाति कोड 126 होगा। इसकी उपश्रेणियों की कोई अलग गणना नहीं की जाएगी। इसी प्रकार राजपूत का जाति कोड 169, भूमिहार का 142, कायस्थ का 21 और थर्ड जेंडर के लिए 22 है। विभिन्न जातियों को कुल 215 कोड आवंटित किए गए हैं और सूची में थर्ड जेंडर को भी एक जाति कोड के आवंटन के साथ एक अलग जाति माना गया है।

बिहार स्थित एक स्वयं सेवी संगठन दोस्ताना सफर की संस्थापक सचिव रेशमा प्रसाद ने राज्य सरकार द्वारा चल रही कवायद में थर्ड जेंडर को एक अलग जाति मानने के कदम को आपराधिक कृत्य करार देते हुए शुक्रवार को पीटीआई-भाषा से कहा, किसी की लैंगिक पहचान कैसे हो सकती है। एक मनुष्य उसकी जाति बन जाता है। क्या पुरुष या महिला को जाति के रूप में माना जा सकता है .... इसी तरह ट्रांसजेंडर को जाति के रूप में कैसे माना जा सकता है। ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग किसी भी जाति के हो सकते हैं।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

कर्ज की बेडियां

बजट की तारीफों के बाद नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट ने बता दिया कि हिमाचल का वित्तीय प्रबंधन कितना कागजी और कितना नाजुक है। वित्त वर्ष 2021-22 का लेखाजोखा फिर राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले घाटे के बजट में, ऋण के बढ़ते बोझ को घूर रहा है। हर साल राज्य का व्यय तो बढ़ रहा है, लेकिन आमदनी की जगह ऋण का अंगूठा लग रहा है। पिछले पांच सालों में खर्च की रफ्तार अगर 36.06 प्रतिशत दर वृद्धि से बढ़ गई, तो पिछले ही साल उधार का नया कीर्तिमान 14437 करोड़ हो गया। कर्ज की बेडियों में हिमाचल के लिए आत्मनिर्भरता के संकल्प पालना एक भ्रम सरीखा है, जबकि उन्नति की राहों पर भारी भरकम प्रशासनिक दबाव, कर्मचारी फौज की हिफाजत में उदारता की मुद्रा और निजी क्षेत्र के प्रति स्पष्टता का अभाव अब एक स्थायी चरित्र बन चुका है। कर्ज अब मूलधन के साथ-साथ ब्याज की मूछों से आतंकित है। पिछले ही साल की आर्थिक व्यथा पर गौर करें, तो 2021-22 के अंत तक कुल 68630 करोड़ के उधार में मूलधन 45297 करोड़ जबकि इसमें ब्याज चुकाने की उधारी भी 23333 करोड़ जुड़ गई। यह कमाल की आर्थिक व्यवस्था है जहां उधार के साथ ब्याज चुकाने के लिए भी नए ऋण की व्यवस्था करनी पड़ती है। यही वजह है कि अगले पांच साल अगर चालीस फीसदी दर से भी ऋण चुकाने की बाध्यता देखी जाए, तो 27677 करोड़ की देनदारी अब से गिन लेनी चाहिए। कैग रिपोर्ट ने एक तरफ हमारी खाना खराबी दर्ज की है, तो दूसरी ओर राजनीति का अपना हिसाब और हिमाचली जनता की अपनी अपेक्षाएं हैं। देश में सबसे कम कर अदायगी करने वाले राज्य के रूप में हिमाचल की हर सरकार को कर मुक्त बजट में कर्मचारियों की तनख्वाह तथा पेंशन भुगतान में ही पसीना बहाना होगा ताकि इनकी शिकायत कहीं चुनावी पेटी न सुन ले। पिछले वित्तीय साल की डरावनी सूरत में भी वेतन पर बढ़ता खर्च 12192.52 करोड़ रहा, जबकि पेंशन भुगतान 6398.91 करोड़ पहुंच गया। ऐसे में राज्य को वित्तीय खुराक कहां से मिलेगी। हैरानी यह कि अगर वाटर चार्जेज के जारी बिलों में से नौ करोड़ वसूलना ही विभाग भूल जाए, तो इससे पता चल जाता है कि हम कितने अगंभीर हैं। अभी तो ओपीएस बनाम एनपीएस का लेखाजोखा भी जुड़ेगा और कहीं सत्ता की गारंटियों में महिलाओं को पंद्रह-पंद्रह सौ का उपहार तथा आगे चलकर तीन सौ यूनिट बिजली का मुफ्त का उपहार, वित्तीय व्यवस्था के मरे हुए सांप धारण करेगा। ऐसे में प्रश्न यह भी है कि आखिर संसाधन विहीन राज्य कब तक सबक सीखेगा। आश्चर्य यह कि वित्तीय कुप्रबंधन के बावजूद हिमाचल अपने अनावश्यक व्यय पर रोक नहीं लगा रहा। सार्वजनिक उपक्रमों का घाटा अगर 4378 करोड़ की सीमा लांघ रहा है, तो इसका अर्थ यह भी कि किसी ने व्यवस्था सुधारने के लिए वित्तीय अनुशासन की जरूरत ही नहीं समझी। पिछले वित्तीय वर्ष में बिजली बोर्ड 185.32 करोड़ के घाटे के बावजूद मुफ्त बिजली प्रदान कराने का शेखचिल्ली अंदाज दिखा रहा है, तो 40.23 करोड़ की हानि उठा कर भी इस दौरान एचआरटीसी नए बस डिपो खोलने की हिमाकत कर पाई। आश्चर्य यह कि हिमाचल पर्यटन विकास निगम की ढाई दर्जन के करीब इकाइयां केवल घाटा पैदा कर रही हैं, लेकिन कोई यह पूछ नहीं पाया कि पर्यटन राज्य के सरकारी दस्तावेज इतने कमजोर कैसे हुए।

पीर पंजाल में उभरते नए समीकरण

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> अंग्रेज़ी भाषा में कहा जाए तो इनकी मांग थी कि इन्हें ट्राइबल माना जाए। ट्राइबल मान लिए जाने के बाद इन समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों में देश के अन्य हिस्सों की तरह आरक्षण का लाभ मिल सकता था। जम्मू कश्मीर में कश्मीरियों और डोगरों के बाद जनसंख्या के लिहाज़ से गुज्जर-बकरवाल व पहाड़ी समुदाय का ही नाम आता है। ये समुदाय केवल पीर पंजाल में ही नहीं, बल्कि कश्मीर घाटी के अनंतनाग व बारामूला जिला में भी काफी संख्या में निवास करते हैं।

एटीएम का दूसरा तर्क और भी मज़ेदार था। उनका कहना था कि पहाडियों में हिंदू, सिख और मतांतरित मुसलमान सभी शामिल हैं। इसलिए उनको एसटी का दर्जा कैसे दिया जा सकता है? यह सचमुच हास्यास्पद तर्क था। इसका अर्थ हुआ कि यदि ये हिंदू-सिख मतांतरित होकर मुसलमान हो जाएं तब तो एसटी का दर्जा देने में कोई एतराज़ नहीं है। एतराज़ इन पहाडियों के हिंदू और सिख होने का था। अब नई व्यवस्था में गुज्जर/बकरवाल के अलावा पहाडियों के लिए भी विधानसभा की कुछ सीटें आरक्षित करने की सम्भावना बनी थी। गुज्जरों ने चाहे अरसा पहले इस्लाम मत को स्वीकार कर लिया था, लेकिन ये शेख और सैयद उनको अपने नज़दीक खड़े होने के काबिल भी नहीं मानते थे। लेकिन अब अनुच्छेद 370 के हटने से हालात बदल गए। अब सत्ता देसी मुसलमानों के हाथों में आती जा रही है। यह बात एटीएम वालों को पच नहीं रही है। देसी मुसलमानों पर उनका नियंत्रण ढीला हो रहा है। उनकी तरक्की से वे जल रहे हैं

भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर के पीर पंजाल क्षेत्र में रहने वाले पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने का निर्णय किया है। पीर पंजाल वस्तुतः जम्मू संभाग और कश्मीर घाटी को विभाजित करता है। कश्मीर घाटी मोटे तौर पर मैदानी इलाक़ा है और पीर पंजाल दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र है जहां की ज़िंदगी वस्तुतः बहुत ही कठिन है। विकास की दृष्टि से अभी तक की सरकारों ने इस इलाके की ओर किंचित भी ध्यान नहीं दिया। पीर पंजाल में ज़्यादातर राजौरी और पुंछ क्षेत्र आता है। इस क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश लोग गुज्जर-बकरवाल या फिर पहाड़ी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। दोनों के जीवन यापन का तौर तरीक़ा लगभग एक जैसा ही है। पशुपालन इनका व्यवसाय है। शिक्षा का अभाव है। गुज्जर-बकरवाल और पहाड़ी समुदाय दोनों ही लम्बे अरसे से मांग कर रहे थे कि इनको एसटी यानी जनजाति का दर्जा दिया जाए।

अंग्रेज़ी भाषा में कहा जाए तो इनकी मांग थी कि इन्हें ट्राइबल माना जाए। ट्राइबल मान लिए जाने के बाद इन समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों में देश के अन्य हिस्सों की तरह आरक्षण का लाभ मिल सकता था। जम्मू कश्मीर में कश्मीरियों और डोगरों के बाद जनसंख्या के लिहाज़ से गुज्जर-बकरवाल व पहाड़ी समुदाय का ही नाम आता है। ये समुदाय केवल पीर पंजाल में ही नहीं, बल्कि कश्मीर घाटी के अनंतनाग व बारामूला जिला में भी काफी संख्या में निवास करते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के कारण अभी तक वहां की राजनीति में गुपकार रोड के दो-तीन परिवारों का ही कब्जा था। इनमें से मुफ़्ती परिवार एटीएम मूल (अरब, तुर्क, मुग़ल) के समुदाय से ताल्लुक रखता है और फारूक अब्दुल्ला का परिवार डीएम (देसी मुसलमान) यानी देसी मुसलमानों से ताल्लुक रखता है। ये दो अलग-अलग वर्ग हैं। यह अलग बात है कि अब्दुल्ला परिवार ने अपने राजनीतिक हितों के लिए डीएम का केवल इस्तेमाल ही किया है, उसे एटीएम के शिकंजे से छुड़ाने का कोई प्रयास नहीं किया। इसीलिए यह परिवार अपने पारिवारिक हित के लिए बीच बीच में एटीएम से भी समझौता कर लेता था। अपने राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए बीच बीच में अब्दुल्ला परिवार और एटीएम परिवार गुपकार यूनियन भी बना लेते। ये जानते थे कि यदि गुज्जर बकरवाल व पहाड़ी समुदाय को उनके उचित अधिकार दे दिए गए तो इनकी कश्मीर केन्द्रित राजनीति में भूकम्प आ जाएगा। गुपकार यह भी जानता था कि अनुच्छेद 370 निरस्त हो जाने से जम्मू कश्मीर में सचमुच लोकतंत्र स्थापित हो जाने का रास्ता खुल चुका था। पंजाबियों, विस्थापितों, गुज्जर-बकरवालों व पहाड़ी समुदाय के लोगों को भी उनके उचित सांविधानिक अधिकार मिल गए थे।

इसलिए गुपकार ग्रुप ने पहले ही चिल्लाना शुरू कर दिया था कि यदि अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया तो राज्य में ख़ून की नदियां बह जाएंगी। एटीएम मूल के मुफ़्ती मौलवियों ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया था कि राज्य में तिरंगा थामने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन डोगरों, विस्थापितों, डीएम यानी देसी मुसलमान कश्मीरियों, गुज्जर-बकरवालों व पहाड़ी समुदाय को पता था कि गुपकार ग्रुप से उनकी मुक्ति का रास्ता अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद ही खुलता था। यही कारण था कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने पर ख़ून की नदियां तो नहीं बहीं बल्कि पीर पंजाल की पहाडियों पर तिरंगा और भी शान से फहराने लगा।

उत्तराखंड प्रहरी
कविता

जिंदगी भागम-भाग ....

भाग दौड़ भरी जिंदगी में,
हर शख्स मतलब से बात कर रहा है।
फुरसत नहीं है बात करने की अपनो से भी
पल भर की,
बस जरूरतों को पूरा करने में अपनी,
हर शख्स दिन रात भागा जा रहा है।
जितनी जिसकी जरूरत,
बस वह उतना ही सम्बन्ध निभा रहा है।
रिश्तों की तो छोड़ो यारों,
दोस्ती में भी हर शख्स बस अब तो
औपचारिकताएं निभा रहा है ।।

सचिन बेदी अधिवक्ता, हरिद्वार

हनुमान जयंती : व्रत रखकर मनचाहा वरदान पाएं

हनुमान जयंती एक हिंदू पर्व है। यह चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन हनुमानजी का जन्म हुआ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि चैत्र मास की पूर्णिमा को ही भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान ने माता अंजनी के गर्भ से जन्म लिया था। यह व्रत हनुमान जी की जन्मतिथि का है। प्रत्येक देवता की जन्मतिथि एक होती है, परंतु हनुमान जी की दो मनाई जाती हैं। हनुमान जी की जन्मतिथि को लेकर मतभेद हैं। कुछ हनुमान जयंती की तिथि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी मानते हैं तो कुछ चैत्र शुक्ल पूर्णिमा। इस विषय में ग्रंथों में दोनों के ही उल्लेख मिलते हैं, किंतु इनके कारणों में भिन्नता है। पहला जन्मदिवस है और दूसरा विजय अभिनंदन महोत्सव

जन्म कथा

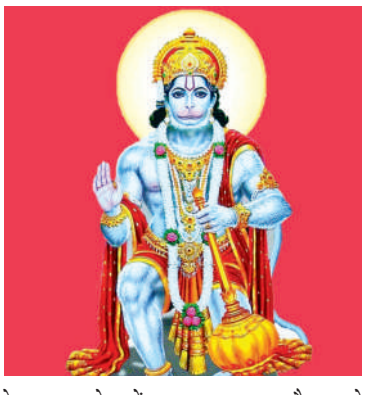

हनुमान जी के जन्म के बारे में एक कथा है कि 'अंजनी के उदर से हनुमान जी उत्पन्न हुए। भूखे होने के कारण वे आकाश में उछल गए और उदय होते हुए सूर्य को फल समझकर उसके समीप चले गए। उस दिन पर्व तिथि होने से सूर्य को ग्रसने के लिए राहु आया हुआ था। परंतु हनुमान जी को

देखकर उसने उन्हें दूसरा राहु समझा और भागने लगा। तब इंद्र ने अंजनीपुत्र पर वज्र का प्रहार किया। इससे उनकी ठोड़ी टेढ़ी हो गई, जिसके कारण उनका नाम हनुमान पड़ा। जिस दिन हनुमान जी का जन्म हुआ वह दिन चैत्र मास की पूर्णिमा था। यही कारण है कि आज के दिन हनुमान जी की विशेष पूजा-आराधना की जाती है तथा व्रत किया जाता है। साथ ही मूर्ति पर सिंदूर चढ़ाकर हनुमान जी का विशेष श्रृंगार भी किया जाता है। आज के दिन रामभक्तों द्वारा स्नान-ध्यान, भजन-पूजन और सामूहिक पूजा में हनुमान चालीसा और हनुमान जी की आरती के विशेष आयोजन किए जाते हैं।

भक्ति और शक्ति का बेजोड़ संगम

मारुतिनंदन को चोला चढ़ाने से जहां सकारात्मक ऊर्जा मिलती है वहीं बाधाओं से मुक्ति भी मिलती है। पौराणिक कथाओं में कहा गया है कि हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए शनि को शांत करना चाहिए। जब हनुमानजी ने शनिदेव का घमंड तोड़ा था तब सूर्यपुत्र शनिदेव ने हनुमानजी को वचन दिया कि उनकी भक्ति करने वालों की राशि पर आकर भी वे कभी उन्हें पीड़ा नहीं देंगे। कन्या, तुला, वृश्चिक और अढैया शनि वाले तथा कर्क, मीन राशि के जातकों को हनुमान जयंती पर विशेष आराधना करनी चाहिए। हनुमानजी को भक्ति और शक्ति का बेजोड़ संगम बताया गया है। हनुमानजी का शुमार अष्टचिरंजीवी में किया जाता है, यानी वे अजर-अमर देवता हैं। उन्होंने मृत्यु को प्राप्त नहीं किया। बजरंगबली की उपासना करने वाला भक्त कभी पराजित नहीं होता। हनुमानजी का जन्म सूर्योदय के समय बताया गया है, इसलिए इसी काल में उनकी पूजा-अर्चना और आरती का विधान है।

वैद्यानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठोस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

मुख्यमंत्री धामी ने कालाढूंगी में 95.09 करोड़ की 36 योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

5 करोड़ 57 लाख की 02 योजनाओं का लोकार्पण और 89 करोड़ 52 लाख की 34 योजनाओं का किया शिलान्यास

कालाढूंगी के 8012 परिवार 33 पेयजल योजना से होंगे लाभान्वित

कालाढूंगी/ हल्द्वानी (देहरादून)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा कालाढूंगी के लिए 95 करोड़ 09 लाख की 36 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र के भविष्य की नींव रखी गई है, योजनाओं के पूर्ण होने पर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। इन योजनाओं से क्षेत्र के 8012 परिवार पेयजल योजना से लाभान्वित होंगे। आज का दिन विधानसभा कालाढूंगी में विकास के एक नए युग का सूत्रपात में सहायक सिद्ध होगा। इन 36 योजनाओं में मोटर मार्ग निर्माण, पेयजल और सिंचाई की क्षमता के विकास जैसे जनहितकारी क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। इस माह 04 प्रतियोगी परीक्षा आयोजित कराई जा रही है तथा रिक्त पदों का अध्याचन आयोग को प्रेषित किए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा अंत्योदय परिवारों को तीन गैस सिलेंडर देने हों, प्रदेश की महिलाओं के लिये क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था को लागू करना हो, समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करना हो, जबरन धर्मांतरण पर रोक के लिये कानून बनाना हो, नई शिक्षा नीति लागू करना हो, नई खेल नीति लागू करना हो, सख्त नकल विरोधी कानून बनाना हो, राज्य आंदोलनकारियों व उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण देना हो सभी का सरकार द्वारा कार्य किए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधान सभा कालाढूंगी मे 398.00 लाख की धनराशि से आनन्दपुर नलकूप पेयजल योजना तथा लामाचौड खास नलकूप पेयजल योजना लागत 159.00 लाख की 02 योजनाओं का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कालाढूगी के विकास के लिए 34 योजनाओं का शिलान्यास किया। जिसमें गोविन्दपुर गढवाल पेयजल योजना लागत रूपये 310.00 लाख, पनियाली पेयजल योजना लागत 222.00 लाख, पीपलपोखरा पेयजल योजना 558.00 लाख, लालपुर नायक पेयजल, लागत 334.00 लाख,प्रेमपुर लोशज्ञानी पेयजल, लागत 431.00 लाख, रामडी आनसिंह पेयजल योजना लागत 326.00 लाख, पतलिया पेयजल योजना लागत 434.84 लाख, बजूनिया हल्दू पेयजल योजना लागत 297.93 लाख, कमोला नलकूप योजना लागत 399.63 लाख, कालाढूगी बन्दोबस्ती पेयजल योजना लागत 298.61, सेल्सिया पेयजल लागत 117.38 लाख, छोटी हल्द्वानी पेयजल लागत 161.08 लाख, रतनपुर रामपुर पेयजल 490.11 लाख,धापला पेयजल 63.91 लाख, दोहनीया पेयजल 206.74 लाख,गिनती गांव पेयजल 399.30 लाख, चांदपुर पेयजल 142.82 लाख, नाथुजाला पेयजल 227.10 लाख, नया पाण्डे गांव पेयजल 54.00 लाख, पवालगढ मनखथपुर पेयजल 332.45 लाख,विजयपुर धमोला पेयजल 271.64 लाख, धमोला पेयजल 350.86 लाख, मन्दरजुडा पेयजल 442.26 लाख, चोपडा पम्पिंग पेयजल 235.33 लाख,ज्योली पेयजल 172.12 लाख,भद्यूनी पम्पिंग योजना 103.35 लाख, बल्यूटी पम्पिंग योजना 261.39 लाख, रानीबाग पम्पिंग योजना 342.05 लाख,सूर्यागांव पम्पिंग योजना 151.98 लाख, दोगडा पेयजल योजना 88.61 लाख,डोलमार पेयजल योजना 61.13 लाख, हैडी पेयजल योजना 27.43 लाख तथा डहरिया धानमिल से आनन्दा स्कूल निलांचल कालोनी से बिडला स्कूल छडायल रोड तक मार्ग पुनः निर्माण कार्य लागत 381.80 लाख की धनराशि का कुल 34 योजनाओं का शिलान्यास किया।

बजरंगबली के नाम मात्र से कष्ट हो जाते हैं दूर: कुलदीप चौधरी

भगवान हनुमान जन्मोत्सव पर सिद्धेश्वर शिव मंदिर में किया सुंदरकांड पाठ

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। जगजीतपुर पीठ बाजार स्थित श्री प्राचीन सिद्धेश्वर शिव मंदिर में स्थानीय निवासियों ने श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। श्री प्राचीन सिद्धेश्वर शिव मंदिर के व्यवस्थापक कुलदीप चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर सुंदरकांड पाठ प्रारंभ किया। इस अवसर पर हनुमान जी के सुंदर सुंदर भजन एवं सुंदर झांकियां प्रस्तुत किए गए। सुंदरकांड पाठ के बाद आरती की गई और श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्तों ने राम भक्त हनुमान और श्री राम के जयकारे लगाए। श्री प्राचीन सिद्धेश्वर शिव मंदिर के व्यवस्थापक कुलदीप चौधरी ने दीप प्रज्वलित करते हुए श्री हनुमान की महिमा का बखान किया और भक्तों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री हनुमान जी कलयुग के जीवित देवता है। सच्ची श्रद्धा से वीर बजरंगबली के नाम मात्र से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। साथ ही हनुमान जी की पूजा करने से जातक को किसी भी प्रकार की चिंता और भय नहीं सताती है। उन्होंने कहा कि देवताओं में शिवजी के बाद बजरंग बली ही ऐसे देवता हैं, जो अपने भक्तों पर अतिशीघ्र प्रसन्न होते हैं। सिर्फ छोटे से उपाय और मंत्र से ही हनुमान जी प्रसन्न हो जाते हैं। स्थानीय निवासी कृष्णलाल प्रजापति ने कहा कि सुंदरकांड पाठ करने से घर में सुख शांति की प्राप्ति होती है विश्व का कल्याण होता है कलियुग में हनुमान जी का पूजा करने से सभी तरह के संकट, रोग से मुक्ति मिलती है सभी मनुष्य को प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ, बजरंग बाण का पाठ, संकट मोचन पाठ करना चाहिए इससे हनुमान जी सभी मनोकामना पूर्ण करते हैं। सुंदरकांड पाठ आयोजन में पंडित पंकज जोशी, पुष्पांजलि, संदीप धीमान, बबलू पाल, अंकित, आशु धीमान, रितिक प्रजापति, रूद्र प्रजापति, वीरेंद्र कुमार, बिट्टू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

स्वामी यतीश्वरानंद ने सड़कों के शिलान्यास एवं उद्घाटन कर क्षेत्र हित में शुरू कराए काम

बोले स्वामी यतीश्वरानंद जिला पंचायत, ब्लॉक और अन्य निधियों से ग्रामों में कराए जा रहे समुचित विकास कार्य

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

पथरी। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने ग्राम गाडोवाली, जियापोता, झाबरी, अम्बूवाला आदि ग्रामों में जिला पंचायत निधि से प्रस्तावित इंटरलोकिंग टाइल्स से निर्मित सड़कों के शिलान्यास एवं उद्घाटन किए। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत, ब्लॉक और अन्य निधियों से क्षेत्र का समुचित विकास सुचारू रहेगा।

शुक्रवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने जिला पंचायत निधि से स्वीकृत सड़कों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में एक साल से कार्य रूक गए थे, लेकिन जिला पंचायत, ब्लॉक, ग्राम प्रधानों के माध्यम से मूलभूत सुविधाओं के काम ताबड़तोड़ शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक साल के कार्यकाल में ऐतिहासिक निर्णय लेकर जनता हित में अनेकों विकास कार्य कराने का काम किया है। कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में जो भ्रष्टाचार हुए और जनता को लूटने का काम किया जा रहा था, उसका खुलासा होने और लूट बंद होने से विरोधी पक्ष बौखला गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोगों के बहकावे में न आए और किसी भी प्रकार की समस्या हो, उसे तत्काल बताए, ताकि समय रहते हुए उसका निदान हो सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विधायक का विकास कार्यों पर कोई ध्यान नहीं है।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष प्रणव यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, जिला महामंत्री आशु चौधरी, जिला पंचायत सदस्य सोहनवीर पाल, अरविंद प्रधान, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बालम सिंह नेगी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सतीश प्रधान, ग्राम प्रधान कृष्णपाल, प्रदीप चौहान, प्रखर कश्यप, पूर्व कैबिनेट मंत्री सहायक अंकित चौहान, मयाराम प्रधान, अर्जुन चौहान, दिनेश चौहान, राजकुमार चौधरी, बृजेश धीमान, बीर सिंह, लोकेश कुमार, चंदकिरण, मास्टर धर्मेंद्र चौहान, कनिष्ट उप प्रमुख धर्मेंद्र प्रधान, किसान मोर्चा जिला मंत्री विवेक चौहान, जिला मंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा इरफ़ान, बबलू राणा, धर्मपाल सहगल आदि शामिल हुए।

अशोका इंटरनेशनल एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

अच्छी शिक्षा और संस्कार देते हैं जीवन को नया रूपः अमित चौहान

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। अशोका इंटरनेशनल एकेडमी में वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पथरी अम्बूवाला गांव में अशोका इंटरनेशनल एकेडमी में वार्षिक उत्सव की धूम देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान के साथ अन्य विशिष्ठ अतिथियों के द्वारा विधा की देवी सरस्वती के समक्ष दीपक जलाकर एवं फूल अर्पित कर किया।

इसके पश्चात एकेडमी के संस्थापक अशोक चौहान के द्वारा मुख्य अतिथि का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात मां शारदे की आराधनाबके साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कई रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। छात्र एवं छात्राओं की प्रस्तुति के बीच अतिथियों ने अपना अपना संबोधन दिया। तो वहीं मुख्य अथिति अमित चौहान ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रुप देते हैं। हमें समाज को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए जिसके लिए अशोका इंटरनेशनल एकेडमी लगातार सफलता की ओर अग्रसर है। डॉ. बिजेंद्र चौहान ने कहा कि परिवारों के बढ़ने के साथ-साथ उनकी युवा पीढ़ी को संस्कारित एवं सकारात्मक मार्ग दर्शन की आवश्यकता है। कार्यक्रमों से छात्रों में छिपी हुई प्रतिभा को निखारना आसान होता है। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें मर्यादा पुरषोत्तम श्री राम को याद करते हुए बच्चों ने रामायण के कुछ अंश की प्रस्तुत की तो सभी अतिथियों से साथ साथ अभिभावकों में भी एक अलग ही उत्साह नजर आया। साथ ही सोशल मीडिया के ज्यादा प्रयोग से आज के बच्चे किस प्रकार उसकी गिरफ्त में फसते जा रहे है इसको भी एक्ट के माध्यम से बखूभी दर्शाया। वहीं संस्था के चेयरमैन मनीष चौहान ने भी बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए संबोधित किया।

कार्यक्रम में विभिन्न अवार्ड से सम्मानित किया गया जिसमे बेस्ट अटेंडेंस का अवार्ड पूनम और बेस्ट डिसिप्लिन अवार्ड भूमिका रावत तथा एकेडमी का सबसे मुख्य अवार्ड स्टूडेंट ऑफ द ईयर का अवार्ड विशी चौहान ने अपने नाम किया। कार्यक्रम के अंत में एकेडमी के डायरेक्टर पीयूष चौहान ने अपने संबोधन में संस्थापक अशोक चौहान का धन्यवाद करते हुए कहा कि यदि उनके कर कमलों से इस संस्था का निर्माण न होता तो आज हम यहां सभी एक साथ न होते। साथ ही कार्यक्रम में हुई सभी प्रस्तुतियां करने वाले छात्र छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि अमित चौहान सहित सभी अतिथियों का दिल से आभार किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर एकेडमी के समस्त अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को बधाई दी।

दिवंगत अश्वनी पाल के परिवार से मिले नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य

परिवार को हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

गौरव कुमार, (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)

हरिद्वार। हरिद्वार दौरे पर रहे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने शुक्रवार को हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के फेरूपुर में किसान नेता दिवंगत अश्वनी पाल के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनकी बेटियों और पत्नी को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य महानगर अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी के साथ फेरुपुर में कांग्रेसी एवं किसान नेता दिवंगत अश्वनी पाल के आवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने अश्वनी पाल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि अश्वनी पाल कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ता थे। किसान नेता अश्वनी पाल हमेशा जरूरतमंद लोगों के साथ खड़े रहते थे। उन्होंने पार्टी के साथ लंबे समय तक काम किया है और पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम किया है। वह पार्टी नहीं बल्कि हमारे परिवार के सदस्य थे। उनका निधन अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के साथ हमेशा खड़े हैं उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होने देंगे। उन्होंने बेटियों को भी शिक्षा दिलाने में हरसंभव प्रयास करने की बात कही है। भारतीय किसान मजदूर उत्थान के राष्ट्रीय महासचिव इरशाद अली ने कहा कि पिछले दिनों बीमारी के चलते किसान नेता अश्वनी पाल का निधन हो गया था। उनके निधन से गहरा आघात पहुंचा है। उनकी कमी हमेशा खलती रहती है। अश्वनी पाल के हमेशा खड़े हैं। दौरान पूनम भगत, राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, विनोद कश्यप, संजय पाल, विशाल अहमद, विजय यादव, डॉ विजेंद्र सिंह चौहान, यशपाल सिंह, मोहम्मद मुशर्रफ, सिद्धार्थ शर्मा, रकित वालिया, सतीश त्यागी सहित बड़ी संख्या में किसान वह कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

छुट्टी के दिनों में घाटों में बढ़ी भीड़ के बीच हरिद्वार पुलिस की जिम्मेदारी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। लगातार तीन दिन की छुट्टी होने के कारण हरिद्वार के घाटों में भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। इस दौरान सड़क पर वाहनों के दबाव के बीच यातायात को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने के साथ-साथ हरिद्वार पुलिस के सामने श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान कराकर गंतव्य हेतु रवाना करने की दोहरी चुनौती है।

जल पुलिस टीम

1- डीप ड्राइवर जानू पाल
2- डीप ड्राइवर सन्नी
3- डीप ड्राइवर अमित पुरोहित
4- डीप ड्राइवर विक्रांत

दोहरी चुनौती को स्वीकार कर कड़ी धूप के बीच दोनों क्षेत्रों में पसीना बहा रही हरिद्वार पुलिस के जवानों ने आज ट्रैफिक के कुशल संचालन के साथ-साथ घाटों पर सतर्क रहते हुए डूब रहे 06 यात्रियों को सकुशल बचाया। इस दौरान 01 श्रद्धालु की डूबने के कारण मृत्यु हो गई। उक्त मृतक का शव भी जल पुलिस के जवानों ने सर्च अभियान चलाकर बाहर निकाला गया।

डूबने की घटनाओं के बीच घाटों में सजग जवानों ने बचाई 6 की जान

डूबने के कारण हुई एक युवक की मृत्यु, मृत देह की गई रिकवर

2050 में शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिए अवशिष्ट निस्तारण की आवश्यकता : अध्ययन

नई दिल्ली, (भाषा)। अवशिष्ट उत्सर्जन से निपटने के लिए रणनीति बनाए जाने का आह्वान करते हुए वैज्ञानिकों ने कहा कि शून्य उत्सर्जन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उन्हें कार्बन डाइऑक्साइड हटाने की तकनीकों द्वारा संतुलित किए जाने की आवश्यकता होगी।

अवशिष्ट उत्सर्जन उन्हें कहते हैं जो ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को खत्म करने के प्रयासों के बाद भी बने रहते हैं। उदाहरण के लिए उत्सर्जन को समाप्त करने की दिशा में ठोस प्रयासों के बावजूद कृषि और जहाजरानी उद्योगों द्वारा वातावरण में जीएचजी उत्सर्जित करते रहने का अनुमान है। बफेलो विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क (अमेरिका) में पर्यावरण की सहायक प्रोफेसर हॉली जीन बक ने कहा, "2050 तक पृथ्वी के तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं। बक और उनकी अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में अवशिष्ट उत्सर्जन की बेहतर समझ के संबंध में दलील दी है। उनका यह अध्ययन नेचर क्लाइमेट चेंज नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों की दीर्घकालिक रणनीतियों के अनुसार, 2050 तक अवशिष्ट उत्सर्जन का औसत स्तर मौजूदा स्तर का 18 प्रतिशत होगा। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि इन 50 देशों में से केवल 28 देशों ने 2050 तक अपेक्षित अवशिष्ट उत्सर्जन की मात्रा को निर्धारित किया है। बक और उनके सहयोगियों ने शून्य उत्सर्जन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अहम अवशिष्ट उत्सर्जन के प्रबंधन की समस्या से निपटने के जरूरी कई कदमों की पहचान की है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पहला कदम अवशिष्ट उत्सर्जन की मात्रा के संबंध में स्पष्ट अनुमान विकसित करना है। मात्रा, स्रोत और गैस के प्रकार की पहचान करना भी अहम है ताकि उपयुक्त रणनीति तैयार की जा सके।

ऑनलाइन गेमिंग नियमों में संशोधन अधिसूचित, जुए, सट्टेबाजी पर लगेगी रोक

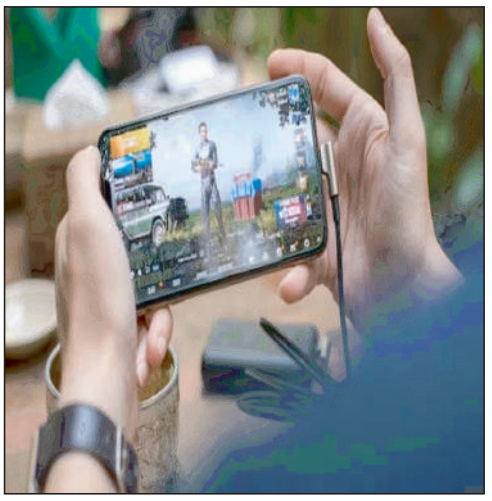

नयी दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमिंग और सरकार के कामकाज को लेकर झूठी एवं गुमराह करने वाली सूचनाओं के प्रसार से संबंधित आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 में संशोधनों की अधिसूचना जारी की।

आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को यहां इस अधिसूचना के संबंध में संवाददाताओं से बातचीत कहा कि नियमों इन संशोधनों का मकसद इंटरनेट को खुला, सुरक्षित और विश्वसनीय और जवाबदेह बनाना है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग में सट्टेबाजी व जुएबाजी की इजाजत नहीं दी जाएगी।

श्री चंद्रशेखर ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य ऑनलाइन गेमिंग इंटरमीडियरीज और सरकार के कामकाज से संबंधित झूठी व भ्रामक सूचना को लेकर सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज पर ज्यादा सम्यक तत्परता लागू करना है। उन्होंने कहा, "यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन और लक्ष्य है कि भारत के युवाओं को स्टार्टअप बनाने और दुनिया के लिए कुछ नया करने का हर संभव अवसर मिले। ऑनलाइन गेमिंग निश्चित रूप से भारत और युवा भारतीयों के लिए एक बड़ा अवसर है।" मंत्री ने कहा कि हम भारत के ऑनलाइन गेमिंग इकोसिस्टम को कई अरब डॉलर के उद्योग में विस्तारित और विकसित होते देख रहे हैं और 2025-26 तक भारत के एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के लिए यह एक अहम उत्प्रेरक बन सकता है, जिसमें ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुएबाजी पर प्रतिबंध काफी स्पष्ट है। उन्होंने बताया कि बच्चों के माता-पिता, स्कूलों के शिक्षकों, शिक्षाविदों, छात्रों, गेमर्स और गेमिंग उद्योग संगठनों, बाल अधिकार निकायों सहित अनेक हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद इन संशोधनों का मसौदा तैयार किया गया है। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार सरकार ने (व्यवसाय का आवंटन नियम), 1961 के तहत पिछले साल 23 दिसंबर को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) को ऑनलाइन गेमिंग नियमों से संबंधित मामला आवंटित किया गया था। मंत्रालय ने एक पखवाड़े के भीतर आईटी नियमों में संशोधन का मसौदा तैयार किया और उसे इस साल 2 जनवरी को परामर्श के लिए मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किया। मंत्रालय द्वारा हितधारकों के साथ परामर्श के लिए 11, 17 जनवरी और 16 फरवरी 2023 को बैठकों का आयोजन किया गया था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आयी नरमी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें आज भी यथावत रही, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर आज जारी दरों के अनुसार देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 0.19 प्रतिशत उतरकर 80.46 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत गिरकर 84.94 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही:

	पेट्रोल	डीजल (रुपये प्रति लीटर)
दिल्ली	96.72	89.62
मुंबई	106.31	94.27
चेन्नई	102.73	94.33
कोलकाता	106.03	92.76

आवास बाजार में जबरस्त तेजी जारी: रिपोर्ट

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश के शीर्ष आठ प्राथमिक आवासीय बाजारों में इस साल जनवरी-मार्च की अवधि के दौरान मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला जहां बिक्री और नई आपूर्ति दोनों में क्रमशः 22 प्रतिशत और 86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऑनलाइन प्रोपर्टी ब्रोकरेज कंपनी प्रोपटाइगर डॉट कॉम ने आज जारी अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। रियल इनसाइट रेजिडेंशियल - जनवरी-मार्च 2023 शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार, होम लोन पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बावजूद घरों की बिक्री में वृद्धि हुई है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, रियल एस्टेट डेवलपर आक्रामक रूप से नए उत्पादों को बाजार में लाए हैं। जनवरी-मार्च 2023 में आठ शहरों में बिक्री बढ़कर 85,850 यूनिट हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 70,630 यूनिट थी। इन आठ प्रमुख शहरों में 79,530 यूनिट से नए लॉन्च की संख्या 86 प्रतिशत बढ़कर 147,780 हो गई, जो तिमाही में सर्वाधिक है। कंपनी के ग्रुप सीएफओ विकास वाधवान ने कहा, "भारतीय आवास बाजार में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है और बिक्री और नए लॉन्च दोनों में वृद्धि हो रही है। चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण और घरेलू बाजार में होम लोन पर ब्याज दरों की सख्ती को देखते हुए यह उल्लेखनीय है। रिपोर्ट बताती है कि इन बाधाओं के बावजूद 2023 की पहली तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री में 22 प्रतिशत की वृद्धि बिक्री की निरंतर गति को दर्शाती है। नए लॉन्च में उछाल भी रियल एस्टेट डेवलपरों के बाजार में विश्वास और बढ़ती मांग को पूरा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

गेहूं की पैदावार पिछले साल से 55 लाख टन अधिक होने की संभावना:सिंह

नयी दिल्ली, (वार्ता)। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग के अपर सचिव सुबोध कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि के बावजूद इस बार पिछले वर्ष की तुलना में 50 से 55 लाख टन अधिक गेहूं की पैदावार होने की संभावना है, जिससे पिछले सारे रिकॉर्ड टूट जायेंगे। सिंह ने रालर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के गेहूं उत्पादन के आकड़े जारी करने को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बरसात और ओला वृष्टि के कारण रबी फसलों को नुकसान हुआ है, इसके बावजूद 11 करोड़ 20 लाख टन गेहूं की पैदावार होने की उम्मीद है। पिछले वर्ष देश में करीब 10 करोड़ 70 लाख टन गेहूं की पैदावार हुयी थी। उन्होंने कहा कि इस बार पिछले साल की तुलना में तीन से चार प्रतिशत अधिक क्षेत्र में गेहूं की बुआई की गई थी और इसकी पैदावार भी पिछले साल की तुलना में अच्छी होने की उम्मीद है।

हेल्थकेयर नवाचार ही महामारी से बचाव कर सकता है

नयी दिल्ली। रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की कार्यकारी अध्यक्ष रश्मी सलुजा ने कहा है कि कोरोना महामारी के मद्देनजर देश और दुनिया के लिए सशक्त और सतत भविष्य के लिए योजना बनाना अति महत्वपूर्ण है। डॉ.सलुजा ने कल रात विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में सर गंगा राम हॉस्पिटल, केयर हेल्थ इंश्योरेंस के सहयोग से रेलिगेयर द्वारा कोविड महामारी को लेकर आयोजित एक परिचर्चा में कहा कि इसके मद्देनजर निजी हेल्थकेयर प्रदाता लागत कम करने और देखरेख की गुणवत्ता में सुधार के लिए नयी प्रौद्योगिकियों और तकनीकों को अपना सकते हैं। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र नयी दवाओं, नैदानिक टूल्स और चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के शोध एवं विकास के लिए वित्तीय मदद कर हेल्थकेयर सेवाओं की गुणवत्ता को सुधार सकता है और इससे पूरी दुनिया में उपेक्षित आबादी को बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने महामारी के दौरान रेलिगेयर समूह द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख करते हुये कहा कि उस कठिन समय में उनका समूह समाज के सबसे प्रभावित समुदाय को राहत और मदद पहुंचाने में आगे रहा। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र हेल्थकेयर क्षेत्र के स्टार्टअप विशेषकर सामाजिक उद्यमियों को वित्तीय मदद कर सकता है।

देश में सात लाख टन गेहूं की खरीद

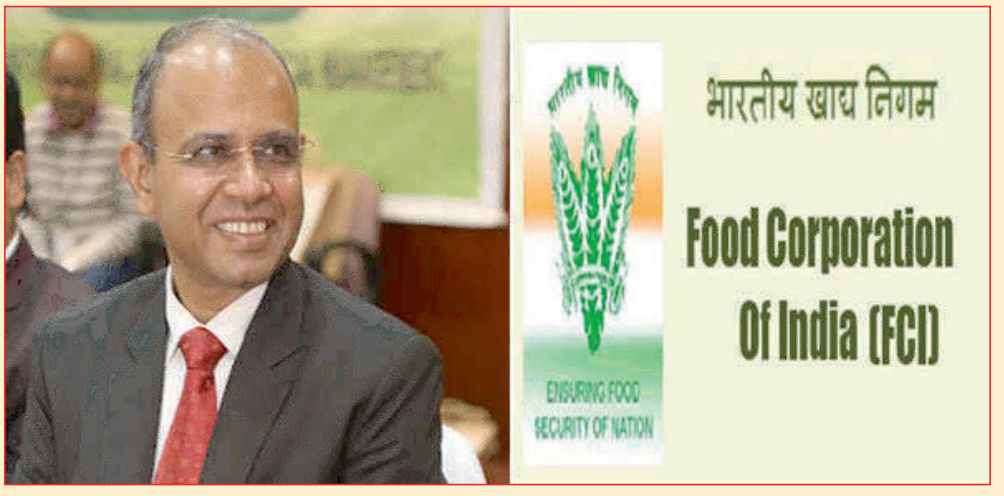

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय खाद्य निगम ने गुरुवार शाम तक सात लाख टन गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में पांच लाख टन अधिक है।

निगम के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अशोक कुमार मीणा ने रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की गेहूं उत्पादन के आंकड़े जारी करने को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गत वर्ष इसी समय तक दो लाख टन गेहूं की खरीद की गई थी। गेहूं की खरीद की शुरुआत बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस बार अधिक क्षेत्र में गेहूं की फसल लगाई गई है और इस बार बरसात तथा ओला वृष्टि के बावजूद पैदावार अच्छी होने की उम्मीद है। मीणा ने कहा कि इस बार निगम के 342 लाख टन गेहूं की खरीद करने की योजना है । इस वर्ष एक अप्रैल को 84 लाख टन गेहूं का भंडार था जो बफर स्टाक से काफी अधिक था । उन्होंने कहा कि इस बार देश में पर्याप्त मात्रा में गेहूं उपलब्ध रहेगा, जिससे इसके मूल्य के स्थिर रहने की आशा है। उन्होंने कहा कि देश में गेहूं खरीद के लिए पर्याप्त संख्या में केन्द्र खोले गये हैं और इसके लिए पहले से ही आवश्यक कदम उठाये गये हैं। वर्षा और ओला वृष्टि के बावजूद कुछ राज्यों में गेहूं की बम्पर पैदावार होने की उम्मीद है।

सुपरजायंट्स की सनराइजर्स पर आसान जीत

लखनऊ, (वार्ता)। लखनऊ सुपरजायंट्स ने क्रुणाल पांड्या (तीन विकेट, 34 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान केएल राहुल (30 गेंद, 35 रन) की सूझबूझ भरी बल्लेबाजी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद पर पांच विकेट की आसान जीत दर्ज की। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर सनराइजर्स 20 ओवर में 121 रन ही बना सकी, जिसे मेजबान सुपरजायंट्स ने मात्र 16 ओवर में हासिल कर लिया। पांड्या ने मात्र 18 रन खर्च कर तीन विकेट चटकाते हुए सनराइजर्स के ऊपरी क्रम को धराशाई कर दिया। अनुभवी अमित मिश्रा ने दो जबकि रवि बिश्नोई और यश ठाकुर ने एक-एक विकेट लिया। राहुल त्रिपाठी ने सनराइजर्स के लिये सर्वाधिक 34 रन बनाये लेकिन इसके लिये उन्होंने 41 गेंदें खेलीं।

सनराइजर्स ने पावरप्ले में सुपरजायंट्स को दो झटके देकर मैच को रोमांचक बनाने का अंदेशा दिया, लेकिन राहुल और पांड्या ने तीसरे विकेट के लिये 55 रन की साझेदारी करके अपनी टीम की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। पांड्या और राहुल लक्ष्य तक पहुंचने से पहले आउट हो गये, जिसके बाद निकोलस पूरन ने 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर विजयी छक्का लगाकर मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित की।

वायुसेना का खिताब तय, अजमल, वॉरियर्स जीते

नयी दिल्ली, (वार्ता)। भारतीय वायुसेना (पालम) ने लगातार चौथी जीत के साथ फुटबॉल दिल्ली ए-डिवीजन लीग के खिताब पर शुक्रवार को कब्जा कर लिया। अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गये रोमांचक मुकाबले में वायुसैनिकों ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और यंगस्टर्स एफसी को 2-1 से हराकर सुपर सिक्स में अजेय बढ़त बना ली। यंगस्टर्स ने 25वें मिनट में इमैनुअल के गोल से बढ़त बनायी। इमैनुअल को कुछ मिनट बाद रेफरी लक्ष्य ने लाल कार्ड दिखाकर बाहर का रास्ता दिखा दिया।

दस खिलाड़ियों के बावजूद यंगस्टर्स ने आखिर तक संघर्ष किया लेकिन जिको और सौरभ के गोलों से वायुसेना को जीत मिली। एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में अजमल एफसी ने एम2एम एफसी को 3-2 से हराकर ए-डिवीजन लीग से आगे बढ़ने की उम्मीद बनाये रखी। विजेता के लिये सुमित घोष, आदित्य शाह और प्रोसेनजीत ने गोल जमाये। एम2एम के गोल विशाल हरिजन और सुमन मांडी ने किये।

ऑर्लिन्स मास्टर्स : जेन को हराकर सेमीफाइनल में प्रियांशु

ऑर्लिन्स, (वार्ता)। युवा भारतीय शटलर प्रियांशु राजावत ने ऑर्लिन्स मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार को चीनी ताइपे के ची यु जेन को क्वार्टरफाइनल में मात दी। विश्व रैंकिंग में 44 नंबर के प्रियांशु ने 58वीं रैंक वाले जेन को 44 मिनट में 21-18, 21-18 से हराकर सेमीफाइनल में कदम रखा। सेमीफाइनल में भारतीय खिलाड़ी का सामना आयरलैंड के न्हैट नुयेन से होगा जो इज़रायल के एम जिल्बरमैन के रिटायर होने के बाद क्वार्टरफाइनल से वॉकओवर लेकर आ रहे हैं।

पहली बार प्रियांशु का सामना कर रहे जेन ने 6-5 की बढ़त के साथ मुकाबले की अच्छी शुरुआत की, हालांकि प्रियांशु ने जल्द ही 8-8 पर स्कोर बराबर कर दिया। ब्रेक तक 11-10 की बढ़त लेने वाले प्रियांशु ने दूसरे अर्ध में कुछ अप्रत्याशित गलतियां करके जेन को 16-15 पर वापस आने का मौका दिया। भारतीय युवा ने नेट पर अच्छा खेल दिखाते हुए लगातार चार पॉइंट अर्जित किये और जेन के एक पॉइंट लेने के बावजूद 20-16 पर गेम पॉइंट अर्जित कर लिया। जेन ने एक शॉट प्रियांशु की पहुंच से दूर मारकर स्कोर 20-17 किया। इसके बाद वह एक लंबी रैली के अंत में स्कोर करने में सफल रहे। प्रियांशु ने अंततः नेट पर नज़ाकत भरा खेल दिखाते हुए ताइपे के खिलाड़ी को गलती करने के लिये मजबूर किया और 21-18 से जीत अर्जित कर ली।

अतंरराष्ट्रीय

तालिबान के महिलाओं पर प्रतिबंध के विरोध में 3,300 अफगान कर्मी घर पर रहे

संयुक्त राष्ट्र,(एपी)। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि देश में संयुक्त राष्ट्र की महिला कर्मियों पर तालिबान के प्रतिबंध लगाने के फैसले पर विरोध जताने तथा दबाव बनाने के इरादे से बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी 3,330 अफगान पुरुष एवं महिला कर्मी घर पर रहे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तालिबान की कार्रवाई पर एक आपात बैठक आयोजित की और उसे अपने फैसले को बदलने के लिए दबाव डाला। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने संयुक्त राष्ट्र के इस आग्रह को दोहराया कि लाखों लोगों को जीवन रक्षक सहायता पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी कर्मचारियों की आवश्यकता है। उन्होंने फिर से जोर देकर कहा कि ''अफगान महिलाओं की जगह पुरुषों को नहीं रखा जा सकता।'' उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र अफगान महिलाओं की जगह अंतरराष्ट्रीय महिलाओं को भी नहीं लाना चाहता, जिन पर देश में काम करने पर प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक रूप से यह हमेशा बेहतर होता है कि किसी देश के नागरिक अपनी स्थानीय आबादी को सहायता प्रदान करें। संयुक्त राष्ट्र के पास अफगानिस्तान में लगभग 3,900 कर्मचारी है, जिसमें लगभग 3,300 अफगान और 600 अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी शामिल हैं।

चीन ने ताइवान की राष्ट्रपति के अमेरिका दौरे के विरोध में अमेरिकी, एशियाई संस्थानों पर प्रतिबंध लगाया

बीजिंग, (भाषा)। चीन ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैक्कार्थी और ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन के बीच इस सप्ताह हुई अहम बैठक के विरोध में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी और अन्य अमेरिकी एवं एशिया आधारित संस्थानों पर प्रतिबंध लगाया है।

एक दिन पहले चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि यह एक खयाली पुलाव है कि बीजिंग ताइवान को लेकर अपने रुख में समझौता करेगा। चीन के कड़े विरोध के बावजूद मैक्कार्थी के साथ साई की बैठक बृहस्पतिवार को हुई।

कैलिफोर्निया की सिमि वैली में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी उच्च-स्तरीय बैठक का स्थल है। मैक्कार्थी ने इस सप्ताह ताइवान की राष्ट्रपति साई के साथ बातचीत को लेकर यहां द्विदलीय बैठक की मेजबानी की थी। ताइवान की राष्ट्रपति और अमेरिकी अधिकारियों के बीच यह दूसरी उच्च स्तरीय बैठक थी। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका-चीन संबंध ऐतिहासिक निम्न स्तर पर पहुंच गया है तथा ताइवान एवं चीन के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन अन्य देशों की सरकारों और ताइवान के बीच किसी भी आधिकारिक संवाद को ताइपे के वैश्विक दर्जे को ऊंचा उठाने के प्रयास के रूप में देखता है, इसलिए वह इस तरह के प्रयासों को ताइवान

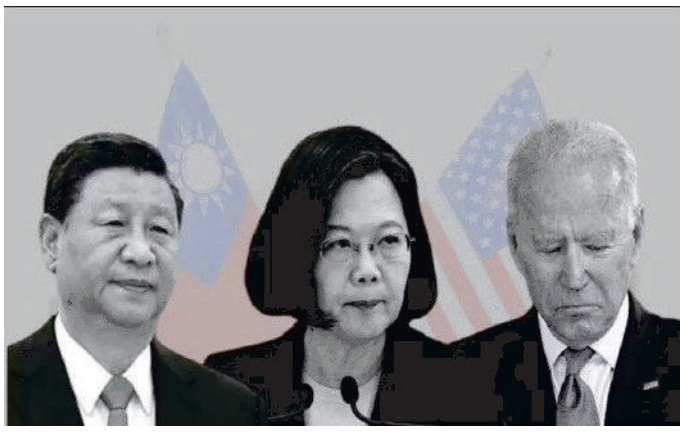

पर अपनी संप्रभुता के दावों का उल्लंघन मानता है। चीन ने हडसन इंस्टीट्यूट पर भी पाबंदी लगा दी है जिसने एक कार्यक्रम की मेजबानी की थी और 30 मार्च को साई को वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया था। प्रतिबंधित समूहों में ताइवान की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में उनकी भागीदारी के लिए एशिया-आधारित समूह- द प्रॉस्पेक्ट फाउंडेशन और काउंसिल ऑफ एशियन लिबरल्स एंड डेमोक्रेट्स शामिल हैं। चीन के राष्ट्रपति शी ने बृहस्पतिवार को बीजिंग में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेएन के साथ बैठक में कहा, ताइवान का मुद्दा चीन के मूल हितों के केंद्र में है। चीन की सरकार और चीनी लोग कभी भी एक-चीन नीति के मुद्दे पर शोर शराबा करने वालों की राय से सहमत नहीं होंगे। मैक्कार्थी और साई की मुलाकात के बाद चीन की यह पहली प्रतिक्रिया थी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक शी ने कहा, जो कोई भी यह अपेक्षा कर रहा कि चीन ताइवान पर अपने रुख से समझौता करेगा, वह खयाली पुलाव पका रहा। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में लेएन ने कहा कि ताइवान के मुद्दे पर चर्चा हुई और उन्होंने शी से कहा कि यथास्थिति को बदलने के लिए बल प्रयोग की धमकी अस्वीकार्य है।

छोटी खबरें

प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में छात्र को पकड़ा गया

नोएडा (उप्र), (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी भरा संदेश भेजने के आरोप में नोएडा पुलिस ने शुक्रवार को लखनऊ से एक किशोर को पकड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि आरोपी किशोर ने एक मीडिया हाउस को ई-मेल भेजा था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। सहायक पुलिस आयुक्त (नोएडा) रजनीश वर्मा ने बताया कि बिहार के रहने वाले 16 वर्षीय लड़के को शुक्रवार की सुबह राज्य की राजधानी के चिनहट इलाके से पकड़कर यहां लाया गया। वर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा, यहां सेक्टर-20 थाने में पांच अप्रैल के मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद मामले की जांच की गई। धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले का पता लगाने के लिए तकनीकी टीम को भी शामिल किया गया। उन्होंने कहा, जांच के आधार पर, ईमेल भेजने वाले का पता लगाया गया और लखनऊ के चिनहट क्षेत्र में उसकी मौजूदगी का पता चला। ई-मेल भेजने वाला एक स्कूली छात्र निकला, जिसने अभी-अभी अपनी 11वीं कक्षा की पढ़ाई पूरी की है और इस सत्र में 12वीं कक्षा में पढ़ाई शुरू करेगा। वर्मा ने कहा कि लड़के को यहां एक किशोर अदालत में पेश किया जा रहा है। एक मीडिया हाउस के प्रतिनिधि ने अपनी शिकायत में कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की हत्या की धमकी देने वाला एक ई-मेल मिला है। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

द्रमुक, इसके सहयोगी 12 अप्रैल को राज्यपाल रवि के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन करेंगे

चेन्नई, (भाषा)। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और इसके सहयोगियों ने शुक्रवार को राज्यपाल आर. एन. रवि की उस टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ 12 अप्रैल को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि विदेशी धन ने स्टरलाइट विरोध प्रदर्शन को हवा दी। द्रमुक के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) ने कहा कि 2021 में जब से रवि ने पदभार संभाला है, तब से उनके भाषण और गतिविधियां विवादास्पद और रहस्यमय रही हैं। उन्होंने कहा, हमारा संघर्ष तब तक नहीं रुकेगा जब तक वह विधानसभा की गरिमा को कम करने वाली गतिविधियों को बंद नहीं करते। रवि ने पांच अप्रैल को यह कहकर नया विवाद खड़ा कर दिया कि थूथुकुडी और कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र में स्टरलाइट संयंत्र के खिलाफ विदेशी धन ने विरोध प्रदर्शन को हवा दी थी। सिविल सेवा की तैयारी करने वाले युवाओं को राजभवन में संबोधित करते हुए रवि ने कहा कि इस तरह के विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य प्रगति में बाधा डालना है।

हाथियों के गलियारे को निश्चित रूप से निर्बाध रखना होगा : राष्ट्रपति मुर्मू

गुवाहाटी, (भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाथियों के साथ करुणापूर्ण व्यवहार करने और उनके (हाथियों के) गलियारों को निर्बाध रखने का लोगों से शुक्रवार को आग्रह किया, ताकि यह वन्य जीव सुगमता से आवाजाही कर सके। मुर्मू ने कहा कि मानव-हाथी संघर्ष (एचईसी) का गहन विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि हाथियों के प्राकृतिक मार्गों में रुकावटें हैं और मानव इसके लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रपति ने अपनी असम यात्रा के दूसरे दिन यहां गज उत्सव-2023 के उद्घाटन के मौके पर कहा, हाथी बुद्धिमान और दयालु जानवर होते हैं और लोगों को उनके साथ करुणापूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एचईसी से निपटना प्रोजेक्ट एलीफेंट का उद्देश्य और चुनौती दोनों है। इस परियोजना के 30 साल पूरे हो रहे हैं।

सपा-बसपा की सरकारों ने आजमगढ़ की छवि को धूमिल करने का कार्य किया था : अमित शाह

आजमगढ़ (उप्र)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आजमगढ़ के गौरवमई इतिहास का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सरकारों ने आजमगढ़ की छवि को धूमिल करने का कार्य किया था। आजमगढ़ में हरिपुर संगीत महाविद्यालय की आधारशिला रखने और भूमि पूजन के बाद यहां आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने आजमगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, दिवंगत साहित्यकारों और कलाकारों को श्रद्धांजलि देने के साथ अपनी बात शुरू की।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले योगी जी (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) को बधाई देना चाहता हूं, जिस आजमगढ़ को देश भर में आतंक का केंद्र माना जाता था, उसी आजमगढ़ की धरोहर हरिहर घराने को फिर से सम्मानित करते हुए आज यहां संगीत महाविद्यालय की नींव रखी गई है। उन्होंने कहा कि मुझे अच्छी तरह याद है कि मैं गुजरात का गृह मंत्री था, अहमदाबाद में बम धमाके हुए थे और गुजरात की पुलिस बम धमाकों के सूत्र ढूंढते -ढूंढते देश भर से आतंकियों को गिरफ्तार कर रही थी, तब उसका सबसे बड़ा सूत्र आजमगढ़ से पकड़ा गया था। शाह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, योगी जी ठीक कह रहे थे आजमगढ़ की पहचान कभी हरिहर घराने से होती थी, पंडित छन्नू लाल मिश्र जैसे गायकी के विद्वानों से होती थी, सपा-बसपा की सरकारों ने उस आजमगढ़ की छवि को धूमिल करने का काम किया था। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश में कभी कल्पना नहीं की जाती थी कि यहां पर दंगे न हों, उस उत्तर प्रदेश को दंगा मुक्त प्रदेश बनाने का कार्य भी योगी सरकार ने किया है।

शाह ने यह भी कहा कि आजमगढ़ को हमेशा कानून-व्यवस्था की समस्या का सामना करना पड़ता था। आजमगढ़ को विकास का गढ़ बनाने का कार्य भाजपा की योगी सरकार ने किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू की गई योजनाएं गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भी उत्तर प्रदेश के विकास के लिए दिल्ली के खजाने के दरवाजे खोलकर मन खोलकर राज्य को दिया है और हर योजना राज्य से होकर ही देश में जाती है। शाह ने पूर्ववर्ती सरकारों पर ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि में बिजली न देने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज भी मुझे याद है कि मैंने उत्तर प्रदेश में कई दिन तक रात्रि निवास किया, एक भी रात ऐसी नहीं थी जब ग्रामीण क्षेत्र में रात को बिजली मिलती हो। 24 घंटे बिजली तभी मिलती थी जब रमजान आता था, वरना नहीं मिलती थी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार में पूरे राज्य में बिजली आपूर्ति करके विकास के नए युग की शुरुआत हुई है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंकते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों को आगाह किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस फिर आएंगी, परिवारवाद और जातिवाद के जरिए लोगों को गुमराह करने की कोशिश करेंगी।

उन्होंने आजमगढ़ उप चुनाव में दिनेश लाल यादव को चुनाव जिताने के लिए जिले के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि आपने दिनेश को जिताकर यहां एक क्रांति की।

उत्तराखंड में भूमि जिहाद को आगे बढ़ने नहीं देंगे: धामी

देहरादून, (भाषा)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार उत्तराखंड में भूमि जिहाद को आगे नहीं बढ़ने देगी। नैनीताल जिले के कालाढूंगी क्षेत्र में एक कार्यक्रम में धामी ने कहा कि इस प्रदे के अंदर 1000 से भी ज्यादा स्थान चिन्हित किए गए हैं जहां अनावश्यक रूप से कहीं मजार बना दी गई हैं या कहीं कुछ और बना दिया गया है। उन्होंने कहा, हम किसी के खिलाफ नहीं है लेकिन यहां जबरन किसी का कब्जा नहीं होने देंगे। कहीं पर भूमि जिहाद को भी आगे नहीं बढने देंगे क्योंकि हम कानून को मानने वाले और उस पर विश्वास करने वाले लोग हैं।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार किसी का नुकसान करने के लिए कोई काम नहीं करेगी लेकिन किसी का तुष्टिकरण भी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, हम तुष्टीकरण पर कठोरता से लगाम लगाएंगे। धामी ने प्रदेश में जनसंख्या में पैदा हो रहे असंतुलन का जिक्र करते हुए कहा कि उस पर रोक लगाने के लिए भी उनकी सरकार प्रदेश में विशेष अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए प्रदेश का हित सर्वोपरि है और हमारी सरकार जब तक इस काम को पूरा नहीं कर लेगी तब तक न तो चुप बैठेगी या न ही रूकेगी। बाद में, संवाददाताओं द्वारा इस संबंध में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिक्रमण करने वाले लोगों से हमने कहा कि वे अपना अतिक्रमण स्वतः हटा लें अन्यथा सरकार उसे हटाएगी। उन्होंने कहा, हमने कहा है कि अतिक्रमण चाहे वन विभाग की भूमि पर हो या लोक निर्माण विभाग या राजस्व विभाग की भूमि पर, उसे स्वतः ही हटा लें। उत्तराखंड के अंदर यह भूमि जिहाद नहीं चलेगा। गौरतलब है कि धामी सरकार ने पिछले साल नवंबर में धर्मांतरण विरोधी कानून को और कड़ा करते हुए जबरन धर्म परिवर्तन के दोषियों के लिए 10 साल तक की सजा का सख्त प्रावधान किया है।

पल्लवी पटेल को नजरबंद करना, भाजपा की नकारात्मक राजनीति का बेहद संकीर्ण रूप : अखिलेश यादव

लखनऊ, (भाषा)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को पार्टी विधायक पल्लवी पटेल की नजरबंदी को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नकारात्मक राजनीति का बेहद संकीर्ण रूप करार दिया। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को ट्वीट किया, विपक्ष की एक माननीय महिला विधायक डॉ. पल्लवी पटेल जी को अपने विधानसभा क्षेत्र कौशांबी के स्थापना दिवस पर जनता से न मिलने देने के लिए प्रशासन द्वारा नजर बंद करना, भाजपाई नकारात्मक राजनीति का बेहद संकीर्ण रूप है।

इसी ट्वीट में उन्होंने दावा किया कि कौशांबी की जनता लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाएगी। पल्लवी पटेल अपना दल (कमेरावादी) पार्टी की नेता और अपना दल के संस्थापक सोने लाल पटेल की बेटी हैं। उन्होंने 2022

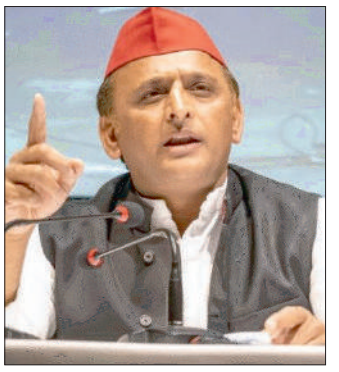

के विधानसभा चुनाव में कौशांबी जिले के सिराथू विधानसभा क्षेत्र से सपा के टिकट पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पराजित किया था। पल्लवी पटेल ने शुक्रवार को दावा किया कि उन्हें सिराथू में उनके पार्टी कार्यालय में नजरबंद कर दिया गया और कौशांबी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत करने की अनुमति नहीं दी गई।

पीएम मोदी आठ अप्रैल को हैदराबाद की यात्रा करेंगे

हैदराबाद, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के अलावा तेलंगाना में 11,300 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि हैदराबाद के दौरे के दौरान मोदी यहां परेड ग्राउंड में एक जनसभा में भी हिस्सा लेंगे।

वह हैदराबाद के समीप अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बीबीनगर और पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वह सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखेंगे और रेलवे से संबंधित अन्य विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। हैदराबाद को भगवान वेंकटेश्वर के तिरुपति मंदिर शहर से जोडने वाली सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस तीन महीने से भी कम अवधि के भीतर तेलंगाना से शुरू की जाने वाली दूसरी वंदे भारत ट्रेन है। इस ट्रेन के शुरू होने से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय लगभग साढ़े तीन घंटे कम हो जाएगा और विशेषरूप से यह तीर्थयात्रियों के लिए फायदेमंद होगी। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 720 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। इसकी योजना इस तरह से बनाई जा रही है कि यह विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस एक बहुत ही सुंदर रेलवे स्टेशन के रूप में नजर आएगा। रेलवे की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है बृहस्पतिवार को कहा गया कि यात्रा के दौरान, मोदी हैदराबाद-सिकंदराबाद क्षेत्र के उपनगरीय खंड में 13 नई मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सर्विस (एमएमटीएस) सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे, जो यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा विकल्प प्रदान करेंगे।

हिमाचल में 12वीं पास के लिए निकली सरकारी नौकरी

बस कंडक्टर के पदों पर जबरदस्त भर्ती

अगर आप हिमाचल के निवासी हैं और सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आपके पास एक शानदार अपॉर्चुनिटी है। दरअसल, हिमाचल प्रदेश ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने 12वीं पास के लिए बंपर भर्तियां निकाली हैं। ऐसे कैंडिडेट्स जो इन पदों पर भर्ती के लिए आवेदन के इच्छुक हैं, वे इसकी ऑफिशियल वेबसाइट द्धश्चश्चह्यष्.द्धश्च.द्दश1.द्बठ्ठ. पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ये वैकेंसी क्लास द्बठ्ठद्बठ्ठ के लिए हैं। इन वैकेंसी से जुड़ी सभी जरूरी डिटेल यहां दी जा रही है।

आवेदन की लास्ट डेट

एचपीपीएससी ने कैंडिडेट्स को आवेदन के लिए 1 मई 2023 तक का समय दिया है।

वैकेंसी डिटेल

इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से कंडक्टर के कुल 360 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।

क्या होगी आपकी योग्यता

एचपीपीएससी की ओर से बस कंडक्टर पदों पर होने वाली भर्तियों के आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स के पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास का सर्टिफिकेट होना चाहिए. साथ ही अभ्यर्थी के पास वैलिड कंडक्टर लाइसेंस होना जरूरी है। क्वालिफिकेशन पूरी करने वाले कैंडिडेट्स ही आवेदन करें।

आयु सीमा

इन पदों के लिए आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स की आयु सीमा 18 से 45 साल निर्धारित की गई है।हालांकि, रिजर्व कैटेगरी के कैंडिडेट्स को आयु सीमा में छूट दी गई है।

सेलेक्शन प्रोसेस

इन पद पर कैंडिडेट्स के सिलेक्शन के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस परीक्षा का आयोजन ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में किया जाएगा, जिसमें एमसीक्यू टाइप के सवाल पूछे जाएंगे। इसके बाद कैंडिडेट्स के डॉक्यूमेंट्स का वेरीफिकेशन किया जाएगा। दोनों राउंड्स क्लियर करने वाले कैंडिडेट्स का फाइनल सिलेक्शन किया जाएगा।

सैलरी

कंडक्टर के पदों पर चयनित होने वाले कैंडिडेट्स को पे बैंड लेवल 3 के अनुसार सैलरी के तौर पर 20,200 से लेकर 64,000 रुपये तक प्रतिमाह दिए जाएंगे।

ये भी रखें ध्यान

- आप पहले से कहीं काम कर रहे हैं तो वहां से एनओसी लाए बिना यहां नियुक्ति नहीं मिलेगी।
- आपको जरूरी डॉक्यूमेंट ओटीआरएस पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।
- जानकारी के मुताबिक इस वैकेंसी में रिक्त पदों की संख्या टेंटेटिव है, जिसमें बदलाव की संभावना है।

अब नहीं दिखेगी ट्विटर पर BLUE BIRD, ये होगा नया लोगो

जब से एलन मस्क ने ट्विटर खरीदा है तब से ट्विटर में आए दिन बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। अब एक और नया बदलाव सोमवार देर रात देखने को मिला है। जिससे सभी यूजर्स परेशान हो गए और ट्विटर पर #DOGE टॉप पर ट्रेंड करने लगा। लोग एक दूसरे से पूछ रहे थे कि क्या सभी को ट्विटर के लोगो पर कुत्ता दिख रहा है। काफी समय तक लोगो वही बना रहा तो यूजर्स को लगा कि कहीं सच में ट्विटर का लोगो तो नहीं बदल दिया गया? दरअसल ट्विटर के CEO एलन मस्क ने ट्विटर का पुराना लोगो बदल कर ट्विटर को क्रिप्टोकरेंसी डॉजकॉइन का लोगो दे दिया है। चलिए जानते हैं इस नए लोगो के बारे में आखिर क्या है यह लोगो?

ये है ट्विटर का नया लोगो

मस्क ने ट्विटर का नया लोगो 'डॉगी' को बनाया है। इस बात की जानकारी एलन मस्क ने खुद ट्विट के जरिए दी। जिसके बाद माना जा रहा है कि अब डॉगी ही ट्विटर का नया लोगो हो सकता है। आपको बता दें की एलन मस्क Dogecoin को सपोर्ट करते हैं, जो एक मीम क्रिप्टोकरेंसी है। इसके लोगो में जो कुत्ता नजर आ रहा है वो शिबा इनु प्रजाति का है। लोगो में ये बदलाव अभी सिर्फ ट्विटर के वेब पेज पर ही दिखाई दे रहा है और ट्विटर के मोबाइल ऐप पर अभी भी ब्लू बर्ड ही दिख रही है।

क्या है ट्विटर

Twitter एक अमरीकी माइक्रोब्लॉगिंग और सोशल नेटवर्किंग सर्विस है जिसमें यूजर पोस्ट कर सकते है। इसके साथ वह मैसेज के जरिए एक दूसरों से बातचीत भी कर सकते हैं। यूजर्स जो भी मैसेज करता है उन्हें यूजर्स का ट्विट कहा जाता है। Twitter का फुल फॉर्म है- Typing What I'm Thinking To Everyone Reading। इसका मतलब है- मेरे मन में क्या चल रहा है, उसे टाइप करना ताकि हर कोई उसे पढ़ और जान सके।

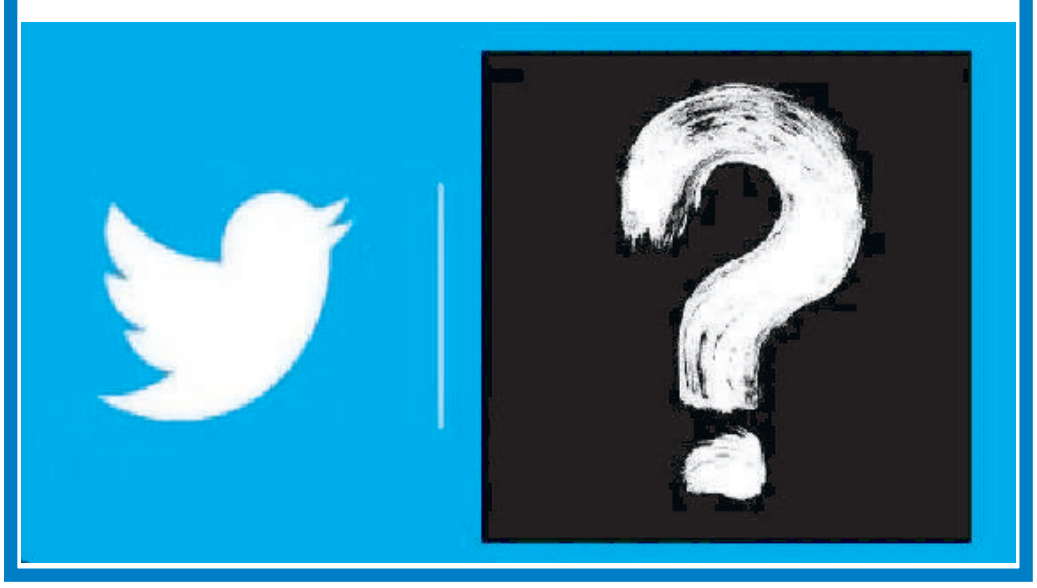

रसोई सिलेंडर

की गैस में इस कारण आती है गंध

रसोई गैस सिलेंडर का प्रयोग हम खाना बनाने के लिए करते है। इस गैस की मदद से हमारा खाना समय पर और जल्दी बन जाता है। लेकिन अगर गलती से गैस सिलेंडर लीक हो जाए तो यह सिलेंडर फट जाता है। इसलिए गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करते समय हमेशा हमे सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। खाना पकाने के बाद गैस सिलेंडर का रेगुलेटर बंद कर देना चाहिए। इसके साथ पाइप में थोड़ी भी दिक्कत होने पर उसे तुरंत चेंज करा देना चाहिए। लेकिन गैस सिलेंडर के थोड़ा भी लीक होने पर एक सड़ी हुई सी दुर्गंध चारों तरफ फैल जाती है। क्या आपके दिमाग में कभी ये सवाल आया है कि एलपीजी गैस की इतनी सड़ी हुई सी दुर्गंध क्यों है...

इस वजह से आती है दुर्गंध

आपको ये जानकर हैरानी होगी की रसोई गैस सिलेंडर में भरी जाने वाली LPG गैस स्मैल-फ्री होती है यानी इसमें कोई स्मैल होती ही नहीं है। यह गैस स्मैल-फ्री होने के बेहद ज्वलन शील भी है। यानि तेज़ी के साथ फैलती है। इसलिए LPG गैस में मरकैप्टन नाम के एक केमिकल को मिलाया जाता है, जिससे गैस के लीक होने का पता चला सके। LPG गैस में अगर मरकैप्टन न मिलाया जाए तो गैस लीक होने पर आपको पता नहीं चलेगा और यह बड़ी तेजी के साथ आग लगा सकती है। इन बड़ी दुर्घटनाओं से बचाने के लिए ही LPG गैस में मरकैप्टन केमिकल मिलाया जाता है।

मरकैप्टन बचा लेती है जान

मरकैप्टन की बदबू की वजह से कई बार बहुत हादसे टलें हैं। गैस लीक होने पर जब मरकैप्टन की बदबू घर में फैलती है तो उससे घर के लोग सतर्क हो जाते हैं और इसकी जांच पड़ताल करने में लग जाते हैं। अगर दुर्भाग्यवश कभी घर में ज्यादा गैस लीक हो जाए तो घर के सभी खिड़की-दरवाजों को खोल दें और घर में लगे सभी एग्जॉस्ट फैन चालू कर दें जिससे घर से सारी गैस बाहर निकल जाए। सारी गैस बाहर निकलनें के बाद ही सिलेंडर का इस्तेमाल करें।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com